

3 (Sem-3/CBCS) HIN-HC 2

2021

(Held in 2022)

HINDI

Paper : HIN-HC-3026

(भारतीय काव्यशास्त्र)

(Honours Course)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks
for the questions*

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) “अंगीकरोति यः काव्यं शब्दार्थावनलंकृती।
असौ न मन्यते कस्मादनुष्णमनलं कृती॥”

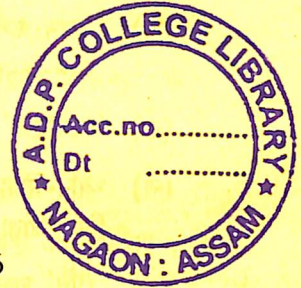
काव्य-लक्षण के संदर्भ में यह कथन किस आचार्य का है?

(ख) ‘काव्यहेतु’ का आशय क्या है?

(ग) ‘काव्यादर्श’ नामक ग्रंथ के रचयिता कौन हैं?

(घ) पण्डितराज जगन्नाथ का आविर्भाव-काल क्या है?

(ङ) आचार्य मम्मट द्वारा विरचित काव्यशास्त्रीय ग्रंथ का नामोल्लेख कीजिए।



- (च) “चरन-कमल बंदों हरि-राइ।” इस काव्य-पंक्ति के ‘चरन-कमल’ में कौन-से अलंकार की योजना हुई है?
- (छ) ‘सत्वोद्रेक’ शब्द का अर्थ क्या है?
- (ज) ध्वनि-सिद्धांत के प्रवर्तन का श्रेय किस आचार्य को दिया जाता है?
- (झ) ‘रीति’ शब्द का व्युत्पत्तिपरक अर्थ क्या है?
- (ञ) ‘औचित्यविचारचर्चा’ के रचयिता कौन हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : $2 \times 5 = 10$

- (क) आठ सात्विक अनुभाव क्या-क्या हैं?
- (ख) ‘शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्’ —का आशय बताइए।
- (ग) ‘अनुप्रास’ अलंकार का एक उदाहरण दीजिए।
- (घ) स्थायी भाव की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
- (ङ) ‘रीति’ के तीनों भेदों का परिचय दीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : $5 \times 4 = 20$

- (क) ‘वाक्यं रसात्मकं काव्यम्’ —इस काव्य-लक्षण के औचित्य पर प्रकाश डालिए।
- (ख) संचारी भाव का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
- (ग) काव्यहेतु के रूप में प्रतिभा पर चर्चा कीजिए।
- (घ) ‘रस ब्रह्मास्वाद सहोदर है’ —का तात्पर्य बताइए।

- (ङ) ‘चित्रकाव्य’ का सामान्य परिचय दीजिए।
- (च) उदाहरण और संघटना के साथ उत्प्रेक्षा अलंकार के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : $10 \times 4 = 40$

- (क) आचार्य मम्मट द्वारा सुनिर्दिष्ट काव्य-प्रयोजनों पर विचार कीजिए।
- (ख) आचार्य भट्ट लोल्लट और श्री शंकुक द्वारा प्रस्तुत रस-निष्पत्ति विषयक मतों की समीक्षा कीजिए।
- (ग) साधारणीकरण के स्वरूप पर सम्यक् विवेचन कीजिए।
- (घ) गुणीभूतव्यंग्य-काव्य किसे कहते हैं? गुणीभूतव्यंग्य के किन्हीं पाँच भेदों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
- (ङ) अलंकार की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उपमा, यमक और श्लेष अलंकार पर सोदाहरण विवेचन कीजिए।
- (च) रीति-सिद्धांत के स्वरूप एवं महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
- (छ) ‘वक्रोक्ति’ किसे कहते हैं? प्रबंध-वक्रता के छः भेदों पर विचार कीजिए।
- (ज) ‘औचित्य’ का आशय स्पष्ट करते हुए औचित्य-सिद्धांत पर सम्यक् विवेचन कीजिए।

